an>

Title: Issues related to the development of Banjara caste people in the country.

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं एक अति महत्वपूर्ण सवाल की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। देश भर के राज्यों में खासकर जो घूमंतु, बंजारा जातियां हैं, ये लोग खुले आसमान के नीचे जिंदगी जीने के लिए विवश हैं। इनके साथ खैर, खैरवार, पुझार और नैय्या जाति की भी यही हालत है। इनके स्वास्थ्य, आवास, रोटी, कपड़ा और मकान की व्यवस्था नहीं है और इस समाज का जीवन देश के बीपीएल परिवार में भी नहीं है, इसलिए स्थिति बहुत ही बद से बदतर है। बाबा साहब अम्बेडकर ने संविधान बनाते समय कहा था कि समाज के अंतिम व्यक्ति को आगे बढ़ाया जायेगा, उसे सहारा दिया जायेगा, उसे अधिकार दिया जायेगा। लेकिन आज बंजारा जाति की स्थिति बद से बदतर है। मैं मानता हूं कि पूरे देश के नागरिक इस बात से सहमत होंगे कि आज बंजारा समाज की स्थिति देश में बहुत खराब है। पूर्व की सरकार ने इस समाज की वास्तविकता, आबादी तथा गन्ने के लिए रेनकी आयोग का गठन किया था। आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है, किन्तु रिपोर्ट पर कार्रवाई आज तक नहीं हुई है। रेनकी आयोग के अनुसार लगभग 12 करोड़ जनसंख्या इस समाज की है। स्वच्छ भारत के निर्माण में बंजारा व घूमंतु समाज का स्वस्थ होना जरूरी है, क्योंकि यह समाज भारतीय समाज ही है।

अतः स्थिति की भयावहता को देखते हुए माननीय मंत्री महोदय से निवेदन है कि सरकार तत्काल सदन में अपनी स्थिति स्पष्ट करे और बंजारा और घूमंतु जाति के स्वास्थ्य आदि की व्यवस्था बेहतर हो। इसके साथ-साथ हमने खैर, खैरवार, पुझार और नैय्या जाति की व्यवस्था पर भी चर्चा की। हम सदन से मांग करते हैं कि इस पर विशेष ध्यान दिया जाए।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री जय प्रकाश नारायण यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।